



न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची)

आदेश पत्रक

अशोक कुमार चटर्जी वगैरे बनाम सुनील चटर्जी वगैरे

क्र०/तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	की गई कार्रवाई
	<p>अभिलेख सं०-एम...29.../2018 धारा-107 द०प्र०सं० थाना प्रगारी सीनासुत (राँची) के अप्राथमिकी सं०-07/18 दिनांक-07-03-18 प्रस्तुत पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि धरेलु जमीन लिवाह को लेकर आपस में बिताह काना मौजा रहे खाना नं०-178, 163 प्लॉट नं० 77, 78, रकबा 28 हे० 9 अं० 50 पर उभय पक्ष में तनाव है।</p> <p>जिससे संभावना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति क्षुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति क्षुब्ध हो जाएगी।</p> <p>अतः मैं पायल राज, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध द०प्र०सं० की धारा-107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उससे/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रू० का बन्ध पत्र उसी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय।</p> <p>अभिलेख तिथि 06-04-18 को उपस्थापित करें। लेखापित एवं संशोधित</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around;"> <div data-bbox="347 1590 678 1814">  कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू। </div> <div data-bbox="957 1590 1284 1825">  कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू। </div> </div>	

06-4-18

पीठाधीन पदाधिकारी का पेशान्त चुकावकारि के व्यक्त! दिनांक 27-04-18 को रखे।

तिथि

आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर

02 उपरिष्ठ कमांक 01 अधिवक्ता
 प्रथम पत्र जारी नहीं जाने के कारण
 अधिवक्ता द्वारा भवनी देवु डागली
 तिथि की मोगा की गई। प्रथम
 पत्र भवनी देवु दिनांक 19-11-18
 को रखा।

[Signature]
 29/11/18

19-11-18

अथ पत्र अधिवक्ता द्वारा भवनी दे
 वी / कार्य बंधन अन्य कार्य के चलते
 डागली तिथि 07-12-18 है

07-12-18

आभिलेखा उपस्थापित। प्रथम पत्र
 कमांक 02 उपरिष्ठ अन्य अधिवक्ता द्वारा
 दिनांक पत्र कमांक 02 उपरिष्ठ अन्य अधिवक्ता
 द्वारा उक्त वाद में 6 (छः) माह की
 अवधि पूरी हो चुकी है अर्थात् वाद
 कालबाधित हो गया है। अतः वाद में
 आभिलेखा की कारवाई बन्द की गयी है

[Signature]
 07/12/18